बैगन का प्ररोह एवं फल वेधक कीट

डा0 आर0पी0 सिंह
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष
महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र, चौकमाफी, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

यह बैगन का प्रमुख एवं धातक कीट है । वयस्क कीट एक प्रकार की तितली होती है जिसकी लम्बाई 10 मिमी. होती है । जिन पर चौड़े, भूरे धब्बे पाए जाते हैं । इसकी सूडी वाली अवस्था ही फसल को हानि पहुंचती है । सूडी चिकनी गुलाबी रंग की होती है, वयस्क सूडी की लम्बाई 15-18 मिमी. होती है । इसका प्रकोप आमतौर पर रोपाई के एक सप्ताह बाद शुरू हो जाता है ।

जीवन चक्र (Life Cycle) 17-50 दिन

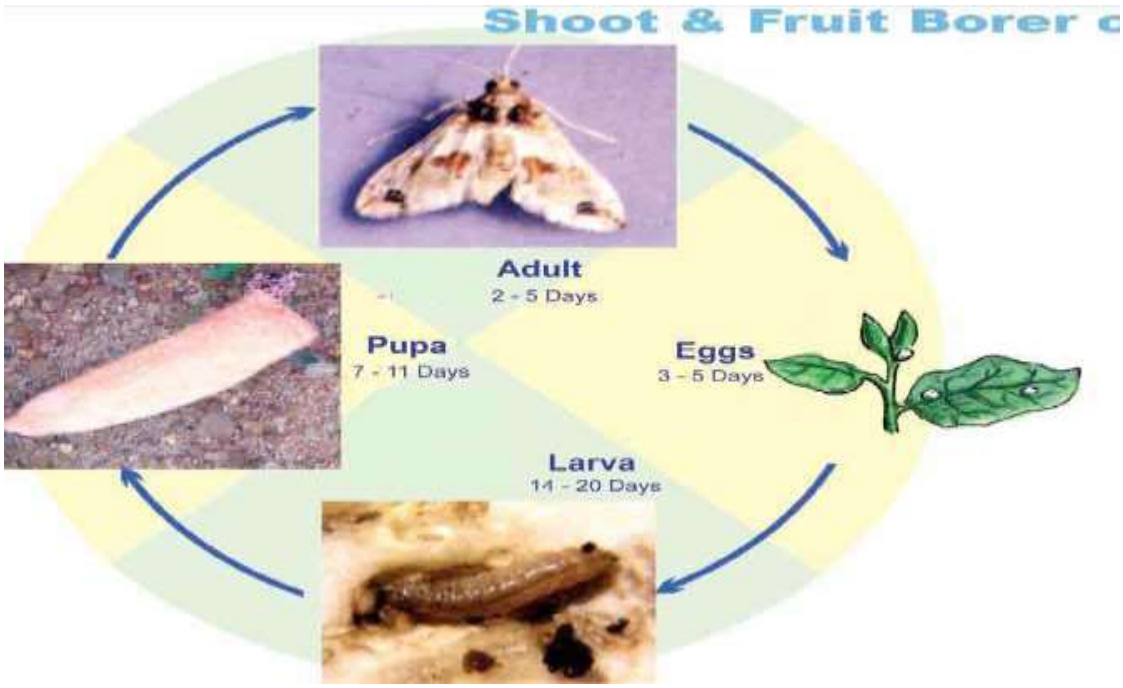

समेकित प्रबन्धन

- ग्रीष्म कालीन जुताई करनी चाहिए । 2-3 वर्ष का फसल चक्र अपनाना चाहिए
- कीट अवरोधी प्रजाति जैसे- पूसा पर्पल राउंड, अर्का कुसुमाकर, डोली-5, पूसा पर्पल लॉन्ग, पन्त सम्राट, एस. एम. 67; 68 आदि को लगाना चाहिए ।
- प्रभावित तने व फलों को एकत्र कर (सप्ताहिक) नष्ट कर देना चाहिए ।
- खेतों में टी (T) के आकार की डंडियाँ लगायें ।
- 10 मी. के अंतराल पर फेरोमोन ट्रैप (100/हे.) लगाना चाहिए ।
- जैविक कीटनाशी बी.टी. पावडर 1 किग्रा/हे. + 500 ली. पानी की दर से 2-3 छिड़काव कर नियंत्रण किया जा सकता है ।
- वानस्पतिक कीटनाशी जैसे एन.एस.के.ई. की 4-5 प्रतिशत का घोल बनाकर 3-4 छिडकाव करना चाहिए ।
- उपर्युक्त क्रियाओ को करने से यदि नियंत्रण न हो पा रहा हो तो रासायनिक कीटनाशी जैसे- कार्बोसल्फान 25% ई.सी. 2 मिली/ली. पानी या कार्टप हाईडरोक्लोराइड 50% एस.पी. 1 ग्राम/ली. पानी या फ़्लूबेन्दियामाइड 20% डब्लू जी 1 ग्राम/ 2 ली पानी या थायोडीकार्ब 75% डब्लू पी 1 ग्राम/ली पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करना चाहिए ।